

गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार है। वेतन योग्यता अनुसार है।

संपर्क

संपर्क समय - शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928, 8319964648

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक - आशुतोष नवाल

वर्ष 18

अंक 149

पृष्ठ 4

मन्दसौर

सोमवार 11 मार्च 2024

मूल्य 2 रुपया

12, दरमार कुंज रोड, सिंधिया हाउसिंग के समान, मन्दसौर (म.प्र.) 07422-490333



अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा तैलिया तालाब...

डीपीआर और प्रोजेक्ट में उलझा समाधान

**अधिकारी-जनप्रतिनिधि
खेल रहे लापरवाही का खेल**

मन्दसौर, 11 मार्च गुरु एक्सप्रेस

तैलिया तालाब में अतिक्रमण या प्रदूषण का मामला नया नहीं है। समस्या धीरे-धीरे विकाराल रूप लेती जा रही है और स्थिति यह हो गई है कि अस्तित्व बचाने के लिए तैलिया तालाब संघर्ष कर रहा है। इसका कारण है जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की लापरवाही। समस्या के समाधान के लिए सिर्फ डीपीआर और प्रोजेक्ट तैयार करने में लोग हैं।

डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी अब फिर से डेढ़ करोड़ से अधिक की डीपीआर नए सिरे से इसके लिए बनाकर भेजी है। इधर पूर्व में नीतों को डायर्वर्ट करने की बीनी योजना जैसी में ही दफन हो गया। मूलतः युक्त शिला निरामण करना चाहिए। इसके लिए तैलिया तालाब संघर्ष कर रहा है। इसका कारण है जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की लापरवाही। समस्या के समाधान के लिए सिर्फ डीपीआर-प्रोजेक्ट का खेल खेला जा रहा है। बार-बार प्रोजेक्ट और डीपीआर बनाकर भेजी जा रही है। कीरी आठ साल पहले 90 लाख का प्रोजेक्ट तैयार किया गया। इसके बाद नया नीतों को गंदी से मुक्त करने के बाजे 5 करोड़ की बड़ी

**राशि मंजूरी की राह
देखते हर बार...**

एक दो नहीं तैलिया तालाब में 16 रहवासी कोलोनियों से निकलने वाला गंदा पानी नालों से तालाब में पहुंच रहा।

**पहले तैयार किया था 90 लाख का प्रोजेक्ट
लेकिन 5 करोड़ की बीनी डीपीआर...**

जिन कॉलोनियों का गंदा पानी नाला तालाब में खेल रहा है। उसमें मेघदूत नगर, गृह निर्माण मंडल की गांधी नगर और कर्मचारी आवास नियम सहित यश नगर, कशेव कुंज और अन्य निजी कॉलोनियां शामिल हैं। इन कॉलोनियों से निकल रहे हैं गंदे गंदी की गांधी नालों की प्रदूषण नहीं किया। इसके लिए एनजीटी से दो बार आदेश हो चुके हैं। तैलिया तालाब के सौंदर्यकरण को लेकर हर बार प्रयोग तो खबर होते हैं। लेकिन, इसे प्रदूषण से नहीं बचाया जा रहा है।

**एक नाले में ही डाल
रहे सारी गंदगी...**

मुल्तानपुरी तरफ से आ रहा नाला



है तो औद्योगिक बोरो से निकलने वाला पानी भी तालाब को प्रदूषित कर रहा है। तैलिया तालाब प्रदूषित होता चला जा रहा है और नया शासन से राशि को मंजूरी की राह देख रही है। स्थानीय स्तर पर नया ने एक भी प्रयास नहीं किया। इसके लिए एनजीटी से दो बार आदेश हो चुके हैं। तैलिया तालाब के सौंदर्यकरण को लेकर हर बार प्रयोग तो खबर होते हैं। लेकिन, इसे प्रदूषण से नहीं बचाया जा रहा है। इसमें नया की राह देख रही है।

**एक नाले में ही डाल
रहे सारी गंदगी...**

मुल्तानपुरी तरफ से आ रहा नाला

हो तो तैलिया तालाब में निकलने वाला पानी भी तालाब को प्रदूषित कर रहा है। तैलिया तालाब प्रदूषित होता चला जा रहा है और नया शासन से राशि को मंजूरी की राह देख रही है। स्थानीय स्तर पर नया ने एक भी प्रयास नहीं किया। इसके लिए एनजीटी से दो बार आदेश हो चुके हैं। तैलिया तालाब के सौंदर्यकरण को लेकर हर बार प्रयोग तो खबर होते हैं। लेकिन, इसे प्रदूषण से नहीं बचाया जा रहा है। इसमें नया की राह देख रही है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री सूचना

पर पंजाब निवासी एक व्यक्ति के कब्जे

से 50 हजार से अधिक कीमत का 27

कॉलोनियों के साथ ही ओद्योगिक बोरो व बापायाम की आरोपी है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री

के कब्जे में नियुक्त किया गया है।

गांधी सागर थाने में पदस्थ

एसआईआर लाल नेटवर्क तैलिया तालाब को प्रदूषित कर रहा है। इसके लिए एनजीटी को नियुक्त किया गया है। गांधी सागर थाने में पदस्थ

भारतपुरा, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेस

गांधीसागर पुलिस ने मुख्यमंत्री



लोकसभा चुनाव में
कर्मचारियों को सुविधा
केंद्र पर ही डालने होंगे बोट

भोपाल, 10 मार्च गुरु एक्सप्रेसा

चुनाव ज्यूटी में साठे चार लाख से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों की ज्यूटी लगती है मतदान दल को एक दिन पहले मतदान केंद्रों पर पहुंचना होता है, ताकि वे सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पहले से कर लौं इन कर्मचारियों को मताधिकार का उपयोग करने के लिए डाक मतपत्र जारी रखते हैं अभी तक डाक मतपत्र कर्मचारियों को जारी करके दिए जाते थे और वे अपनी सुविधा से मतदान करके उसे डाक से भेज देते थे।

इसको टेकर शिकायतें हुई थीं कि कर्मचारी आपस में मिलकर घोट करते हैं इसे देखते हुए आयोग ने विधानसभा चुनाव से व्यवस्था में परिवर्तन कर दिया है। अब बाजार की भी मतदान दल के कर्मचारी को डाक मतपत्र घोट जाने की अनुमति नहीं है। इन्हें प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त मतदान के लिए एक लाभ होने से पहले सुविधा केंद्र पर मतदान की सुविधा दी जाती है इसमें गोपनीयता और पाराधिकी के लिए अस्थाई केंद्र बनाए जाते हैं। मतपत्रों को सबकी उपस्थिति में सील बंद कर रखना रुम में जमा कराया जाता है और अपने के पहले इन्हें संविधान विधानसभा क्षेत्रों में भेज दिया जाता है। पूरी प्रक्रिया की विडियोग्राफी भी कार्रा जाती है।

मंदसौर, 9 मार्च गुरु एक्सप्रेसा

सोने का भाव रिकॉर्ड स्तर पर चल रहा

है शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

से अब तक यानी लाभगत 54 साल में

सोने ने 300 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

दिया है। सोने का रेट 1970 में करीब

185 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि,

इसके पहले महज 5 साल पहले जब

भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था

तब 1965 में सोने का भाव करीब 72

रुपये पर था। यानी कुछ ही साल में जब

भारत का इतिहास नई कल्पना लगातार

होने में निवेश दिया पेसा साल दर साल

20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा था।

इश्वर सोने के दामों में लगातार

उछाल आ रहा है। इस तरह सोने का भाव

2024 में 26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम

पर पहुंचा। 2020 तक पहुंचते-पहुंचते

इसका भाव लाभगत डबल हो गया और

इसने 50,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के

अंकड़े को पार कर दिया। अब 2024

में सोने का भाव 65,000 के स्तर तक

को छू चुका है।

5 साल में डबल हो गया रेट

प्रिछले 10 दशकों में सोने की

कीमतों का आकलन करें, तो चौकाने

वाले अकेले मिलते हैं। साल 1929 में

सोने की कीमत मात्र 18 रुपये प्रति 10

ग्राम रही थी, जो अब लाभगत पैसरठ हजार

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच

दुकूही है। इस तरह पिछले 95 सालों में

सोने की कीमत 3600 गुना बढ़ गई है।

यह अंकड़ा बताता है कि सोने की कीमत

1-1 दशक में कई गुना बढ़ गई। आने

वाले समय में भी सोने में बड़ी तेजी आने

के आसार नजर आ रहे हैं। पिछले सोने

को अंदर सोने की कीमत 1969

में कीमत 1979 के बदले बढ़ गई है।

शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने

का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

से अब तक यानी लाभगत 54 साल में

सोने ने 300 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

दिया है। सोने का रेट 1970 में करीब

185 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि,

इसके पहले महज 5 साल पहले जब

भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था

तब 1965 में सोने की कीमत पांच

रुपये प्रति दस ग्राम थी। यहां सोने की

कीमत 25 रुपये प्रति दस ग्राम थी।

यहां सोने की कीमत 1969 में कीमत

1979 के बदले बढ़ गई है।

शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने

का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

से अब तक यानी लाभगत 54 साल में

सोने ने 300 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

दिया है। सोने का रेट 1970 में करीब

185 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि,

इसके पहले महज 5 साल पहले जब

भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था

तब 1965 में सोने की कीमत पांच

रुपये प्रति दस ग्राम थी। यहां सोने की

कीमत 25 रुपये प्रति दस ग्राम थी।

यहां सोने की कीमत 1969 में कीमत

1979 के बदले बढ़ गई है।

शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने

का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

से अब तक यानी लाभगत 54 साल में

सोने ने 300 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

दिया है। सोने का रेट 1970 में करीब

185 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि,

इसके पहले महज 5 साल पहले जब

भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था

तब 1965 में सोने की कीमत पांच

रुपये प्रति दस ग्राम थी। यहां सोने की

कीमत 25 रुपये प्रति दस ग्राम थी।

यहां सोने की कीमत 1969 में कीमत

1979 के बदले बढ़ गई है।

शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने

का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

से अब तक यानी लाभगत 54 साल में

सोने ने 300 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न

दिया है। सोने का रेट 1970 में करीब

185 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। जबकि,

इसके पहले महज 5 साल पहले जब

भारत और पाकिस्तान का युद्ध हुआ था

तब 1965 में सोने की कीमत पांच

रुपये प्रति दस ग्राम थी। यहां सोने की

कीमत 25 रुपये प्रति दस ग्राम थी।

यहां सोने की कीमत 1969 में कीमत

1979 के बदले बढ़ गई है।

शनिवार को बाजार बंद होने पर सोने

का भाव 64, 900 रुपए प्रति दस ग्राम

था बात केंद्र सोने के 7.2 से लागत 65

हजार रुपए तक के सफर की। 1970

</



समावेशी एवं चटुंनुष्टी विकास की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव
द्वारा

**केन-बेतवा एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल
जल कलश यात्रा का शुभारंभ**
एवं
नियुक्ति पत्रों का वितरण
तथा
**पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए
क्रमपूर्व पदोन्नति प्रदान**

प्रातः 10:00 बजे

एवं**“स्पार्क MP”**

**विकसित मध्यप्रदेश - विकसित भारत
कार्यक्रम का शुभारंभ**

अपराह्ण 3:00 बजे



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन और समावेशी विकास के संकल्प को पूरा करने की ओर मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि को और उन्नत बनाने की दिशा में साकार होने जा रहीं दो बड़ी राष्ट्रीय परियोजनाएं केन-बेतवा लिंक एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साधित होगी।

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

11 मार्च, 2024 - कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल

₹44,605 करोड़ की लागत की केन-बेतवा लिंक परियोजना से 8.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा, 41 लाख लोगों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

₹35 हजार करोड़ की पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से मालवा और चंबल क्षेत्र में 3.37 लाख हेक्टेयर में सिंचाई का विस्तार, 3 लाख से अधिक परिवार होंगे लाभान्वित

परिश्रमी और जन-सेवा के लिए हमेशा तत्पर पुलिसकर्मियों को नक्सल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश सरकार करती है सम्मानित

“विकसित मध्यप्रदेश - विकसित भारत” के लक्ष्य की ओर “स्पार्क MP 2024” प्रदेश के युवा उद्यमियों एवं यंग अचीवर्स पर केन्द्रित आयोजन